REET 2025
LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
हिंदी
लिंग
LIVE
28-01-2025 11:00 AM

लिंग

- पुल्लिंग
- स्त्रीलिंग

परिभाषा ⇒ लिंग शब्द संस्कृत भाषा का है।

लिंग का अर्थ होता है चिह्न या पहचान का साधन

" जिन शब्दों द्वारा पुरुष या स्त्री जाति का बोध होता है। उसे लिंग कहते हैं

हिन्दी में लिंग दो प्रकार के होते हैं।"

1. पुल्लिंग - जो शब्द पुरुष जाति के अन्तर्गत आते हैं उसे पुल्लिंग कहते हैं।

ट्रिक - शब्द के पहले अच्छा / मेरा शब्द

- आ, आव, पा, पन, न ये प्रत्यय जिन शब्दों के अन्त में हो वे प्रायः पुल्लिंग होते है।

  जैसे – मोटा, चढ़ाव, बुढ़ापा, लड़कापन (बचपन), लेन – देन।

- महासागरों के नाम (प्रशांत महासागर इत्यादि)

- पर्वत और कुछ ग्रहों के नाम पुल्लिंग होते है। (अपवाद ग्रह – पृथ्वी) → स्त्रीलिंग

जैसे – विन्ध्याचल, अरावली, हिमालय, [redacted] शिवालिक, सतपुड़ा, अरुण, वरुण, सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध आदि

- वार एंव महीनों के नाम पुल्लिंग होते है।

जैसे – सोमवार, रविवार, कार्तिक, चैत्र, वैशाख आदि

(अपवाद – जनवरी, जुलाई, फरवरी, मई) - स्त्रीलिंग

- पेड़ों के नाम पुल्लिंग होते है।

जैसे – पीपल, नीम, आम, शीशम, शहतूत, सागौन, जामुन आदि (अपवाद – इमली, खेजड़ी) – स्त्रीलिंग

- अनाजों के नाम पुल्लिंग होते है।

जैसे – गेहूँ, चावल, चना, जौ, उड़द, [redacted] आदि (अपवाद – ज्वार, सरसों, अरहर, मूंग) – स्त्रीलिंग

- धातु एंव द्रव पदार्थों के नाम पुल्लिंग होते है।

दही खट्टा है।

जैसे – पीतल, सोना, ताँबा, पारा, लोहा, पानी, शर्बत, इत्र, सिरका, काढ़ा, दही, घी, तेल आदि

स्त्रीलिंग (अपवाद – चाँदी, मणि, चाय, कॉफी, लस्सी, स्याही, शराब)

➪ कुछ वर्ण के नाम पुल्लिंग होते है।

जैसे – अ, आ, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, क, ख, ग, घ, च, छ, य, र, ल, व, श (अपवाद – इ, ई, ऋ)

➪ रत्नों के नाम पुल्लिंग होते है।

जैसे – हीरा, पुखराज, पन्ना, मूंगा, मोती, मणिक आदि

➯ कुछ देह अवयवों के नाम पुल्लिंग होते है।

जैसे – माथा, दाँत, हाथ, कान, गला, तालु, मुंह, नाखून, अँगूठा, रोम आदि

➯ जल, स्थल और भूमण्डल के भागों के नाम पुल्लिंग होते है।

जैसे – समुद्र, भारत, देश, नगर, द्विप, पर्वत, वायुमंडल, रेगिस्तान, आकाश, घर, सरोवर आदि (अपवाद – श्रीलंका)

- समय तथा उसके विभागों के नाम अधिकांश पुल्लिंग होते हैं।
- **जैसे –** घंटा, मिनट, सैकंड, पहर, दिन, दिनांक, समय, काल, वक्त, क्षण, पल, लम्हा, सप्ताह, पक्ष, पखवाड़ा, महीना, वर्ष, युग आदि।
- जिन संज्ञाओं के अन्त में त्र होता है – चित्र, क्षेत्र, नेत्र, पात्र, शस्त्र, चरित्र आदि

- जिन संज्ञाओं के अन्त में न होता है- पालन, वचन, नयन, गमन

- जिन संज्ञाओं के अन्त में ज होता है – जलज, पिण्डज, सरोज, स्वेदज आदि

- जिन भाववाचक संज्ञाओं के अन्त में त्व, त्य, य, व होता है – बहुत्व, सतीत्व, नृत्य, कृत्य, गौरव, माधुर्य आदि

- जिन शब्दों के अन्त में आर, आय, आस हो – विकार, संसार, अध्याय, समुदाय, उल्लास, विकास आदि

- जिन संज्ञाओं के अन्त में अ होता है – मोह, क्रोध, द्वेष, स्पर्श
- दान, खाना, वाला से खत्म होने वाले शब्द हमेशा पुल्लिंग होते है।
- खानदान, पीकदान, दवाखाना, जेलखाना, दूधवाला, दुकानवाला आदि।

2. स्त्रीलिंग - जो शब्द स्त्री जाति के अन्तर्गत आते हैं। उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।

ट्रिक - अच्छी | मेरी

- ईकारान्त संज्ञाएँ – नदी, रोटी, टोपी (अपवाद – घी, मोती, दही)
- ऊकारान्त संज्ञाएं – बालू, लू, दारू (अपवाद – आँसू, आलू, टेसू)
- अनुस्वारान्त संज्ञाएं – भौं, जूँ, सरसों (अपवाद – गेहूँ)
- सकारान्त संज्ञाएं – प्यास, मिठास, रास (लगाम) आदि
  (अपवाद – निकास, नृत्य, काँस
- कृदन्त नकारान्त संज्ञाएं – रहन, सूजन, जलन, पहचान आदि

- कृदन्त अकारान्त संज्ञाएँ – लूट, समझ, दौड़, पुकार आदि (अपवाद – मेल, नाच, उतार) पुल्लिंग
- जिन भाववाचक संज्ञाओं के अन्त में ट, वट, हट हो । जैसे – झंझट, सजावट, आहट
- जिन संज्ञाओं के अन्त में ख हो – ईख, चीख, साख, राख, आँख (अपवाद – पंख, रुख)

- शारीरिक अवयवों के नाम स्त्रीलिंग होते है – कोहनी, कलाई, नाक, आँख, जीभ, बाँह, भौं आदि
- चाँदी धातु स्त्रीलिंग है।

विशेष ऋतु

- ऋतुओं के नाम स्त्रीलिंग होते है। जैसे – गर्मी, सर्दी, पतझड़, आदि (अपवाद – सावन)
- अनाजों के नाम – ज्वार, मूँग

- पेड़ो के नाम स्त्रीलिंग है – नाशपाती, खेजड़ी, इमली, लीची, नारंगी आदि
- द्रव्य पदार्थों के नाम स्त्रीलिंग है – चाय, शराब, स्याही
- भौगोलिक जल और स्थल आदि अंशों के नाम प्राय: स्त्रीलिंग होते है – पृथ्वी, झील, घाटी (चट्टान)
- झीलों और नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते है।

- जैसे – डल झील, चिल्का झील, बूलर, गंगा, यमुना, झेलम आदि

पुल्लिंग (अपवाद – ब्रह्मपुत्र, सिन्धु, सतलज, सोन नदी पुल्लिंग है)

- **मसालों के नाम स्त्रीलिंग होते है** – लौंग, इलायची, मिर्च, हल्दी, सुपारी, [redacted] आदि (अपवाद – धनिया, जीरा, नमक, केसर, तेजपत्ता, कपूर) हींग

- **खाने पीने की चीजें स्त्रीलिंग होती है** – दाल, खीर, पकौड़ी, पूरी, चपाती, सब्जी आदि (अपवाद – पराठा, भात, दही, रायता)

- भाषा, बोली और लिपियों के नाम स्त्रीलिंग होते है –
  हिन्दी, अरबी, फारसी, ब्रज, अवधी, संस्कृत, देवनागरी, पहाड़ी, पंजाबी आदि।
- राशि के नाम स्त्रीलिंग होते है
- मान का मती, वान का वती में परिवर्तित हो जाते है।

जैसे – धनवान – धनवती, आयुष्मान – आयुष्मती, श्रीमान – श्रीमती, शक्तिमान – शक्तिवान, बुद्धिमान – बुद्धिमती, बलवान – बलवती आदि।

कुछ शब्द ऐसे होते है जो सदैव पुल्लिंग या स्त्रीलिंग होते है उनका लिंग परिवर्तन करने के लिए नर व मादा का प्रयोग किया जाता है।

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
मगरमच्छ	–	मादा मगरमच्छ
नर छिपकली	-	छिपकली
नर मछली	-	मछली
नर मक्खी	-	मक्खी
गैंडा	-	मादा गैंडा
भालू	-	मादा भालू

अन्य शब्द

अभिनेता – अभिनेत्री , रचयिता – रचयित्री, कर्ता – कर्त्री, दाता – दात्री, कवि – कवयित्री, सम्राट – साम्राज्ञी, साधु – साध्वी, वीर – वीरांगना, विद्वान- विदुषी

उभयलिंगी => जिन शब्दों का प्रयोग दोनों लिंगो में होता है।

डॉक्टर , मंत्री

मनगढ़न्त ,

प्रधानमंत्री